



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4516]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 14, 2018/कार्तिक 23, 1940

No. 4516]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 14, 2018/KARTIKA 23, 1940

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 2018

का.आ. 5733(अ).—केंद्रीय सरकार, अधिभोग प्रमाणपत्र/समापन प्रमाणपत्र अनुदत्त करने से पूर्व पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भवन अनुज्ञा सहित 20,000⁺ वर्ग मीटर से 50,000 वर्ग मीटर तक के निर्मित क्षेत्र वाले भवन या संनिर्माण परियोजनाओं और 20,000⁺ वर्ग मीटर से 1,50,000 वर्ग मीटर तक के औद्योगिक शेडों, शैक्षणिक संस्थाओं, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थाओं के छात्रावासों के संबंध में परिशिष्ट में यथा विनिर्दिष्ट पर्यावरण शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए यथास्थिति, स्थानीय प्राधिकरणों, जैसे नगरपालिकाओं, विकास प्राधिकरणों, जिला पंचायतों को शक्ति प्रत्यायोजित करती है।

परिशिष्ट

भवनों तथा निर्माण के लिए पर्यावरणीय शर्तें

(श्रेणी : भवन या निर्माण परियोजना या क्षेत्रीय विकास परियोजना और नगरीय 20,000⁺ वर्ग मीटर से 50,000 वर्ग मीटर साथ ही साथ शैक्षणिक संस्थानों के लिए औद्योगिक, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों शेडों और छात्रावासों के लिए 20,000⁺ वर्ग मीटर से 1,50,000 वर्ग मीटर)

क्रम सं.	माध्यम	पर्यावरणीय शर्तें
(1)	(2)	(3)
1.	स्थलाकृति तथा प्रकृतिक ड्रेनेज	जल के अवाधित प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए प्रकृतिक ड्रेन प्रणाली का रखरखाव किया जाना चाहिए। किसी भी निर्माण कार्य को स्थल से होकर गुजरने वाले प्रकृतिक ड्रेनेज में बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नम भूमि तथा जल निकायों पर निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी ड्रेनेज पद्धति का रखरखाव करने तथा वर्षा जल संचयन के लिए चेक डैम, बायो-स्वेल, लैंडस्केप और अन्य बहुनीय शहरी ड्रेनेज प्रणालियों की अनुमति है।

		भवन जहाँ तक संभव हो, प्राकृतिक स्थलाकृति के अनुसार डिजाइन किए जाएंगे। कम से कम कटाई और भराई की जानी चाहिए।
2.	जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भू-जल स्तर में वृद्धि	वर्षा जल संचयन, जल दक्षता और संरक्षण के लिए एक संपूर्ण योजना तैयार और कार्यान्वित की जानी चाहिए। निम्न प्रवाह सज्जाओं या संवेदकों के साथ जल दक्ष साधित्रों के उपयोग का संवर्धन किया जाना चाहिए। वर्षा जल संचयन पर स्थानीय उपविधियों के उपबंधों का अनुसरण किया जाना चाहिए। यदि स्थानीय उपविधियों के उपबंध उपलब्ध नहीं हों तो शहरी विकास मॉडल भवन उपविधि 2016 के अनुसार भंडारण और रिचार्ज के लिए समुचित उपबंधों का अनुसरण किया जाना चाहिए। वर्षा जल संचयन योजना का वहाँ डिजाइन किए जाने की आवश्यकता है जहाँ निर्मित क्षेत्र के प्रति पांच हजार वर्ग मीटर तथा ताजा जल की एक दिन की आवश्यकता की भंडारण क्षमता के न्यूनतम एक रिचार्ज बोर को उपलब्ध कराया जाएगा। उन क्षेत्रों में, जहाँ भू-जल रिचार्ज साध्य नहीं है, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बिना भू-जल की निकासी नहीं की जाएगी। सभी रिचार्ज सतही जलभूत तक सीमित होंगे।
2(क)		स्थानीय भवन उपनियमों में यथा अपेक्षित कम से कम 20 प्रतिशत खुला स्थान प्रभावनीय होगा। कम से कम 50 प्रतिशत ओपनिंग के साथ पेवर, पेवर ब्लाकों, लैंडस्केप इत्यादि को प्रभावनीय तल समझा जाएगा।
3.	अपशिष्ट प्रबंधन	ठोस अपशिष्ट – अपशिष्ट के पृथक्करण को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रत्येक इकाई में तथा भूतल पर अलग-अलग नम और शुष्क बिनों की व्यवस्था की जानी चाहिए। सीवेज – ऐसे क्षेत्रों में जहाँ नगरीय सीवेज नेटवर्क नहीं है, वहाँ आनसाइट शोधन प्रणालियाँ संस्थापित की जानी चाहिए। लैंडस्केप से एकीकृत होने वाली प्राकृतिक शोधन प्रणालियों को बढ़ावा दिया जाएगा। जहाँ तक संभव हो शोधित बहिःस्राव का पुनः प्रयोग किया जाना चाहिए। अतिरिक्त शोधित बहिःस्राव को सीपीसीवी प्रतिमानों के अनुपालन में निस्तारित किया जाएगा। सैप्टिक टैंकों सहित आनसाइट सीवेज शोधन से निकले गाद को शहरी विकास मंत्रालय, केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य और पर्यावरण अभियांत्रिकी संगठन (सीपीएचईईओ) के सीवरेज तथा सीवेज शोधन प्रणाली मैनुअल, 2013 के अनुसार एकत्रित, भेजना और निस्तारित किया जाएगा। ठोस अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम, 2016 तथा ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम, 2016 और प्लास्टिक अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम, 2016 को अनुपालन किया जाएगा।
3(क)		सभी गैर जैविक रूप से नष्ट होने वाले अपशिष्ट को प्राधिकृत पुनःचक्रक को सौंप दिया जाएगा, जिसके लिए प्राधिकृत पुनःचक्रों के साथ अनिवार्य रूप से एक लिखित गठबंधन किया जाएगा।
3(ख)		प्रतिदिन प्रति व्यक्ति को 0.3 किलोग्राम की न्यूनतम क्षमता वाले जैविक अपशिष्ट कंपोस्ट/कृमि खेती खड्डा संस्थित करना चाहिए।
4.	ऊर्जा	ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के ऊर्जा संरक्षण भवन कोड (ईसीवीसी) का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। राज्यों में ऐसे भवन जिनमें उनके अपने ईसीवीसी अधिसूचित हैं, उनमें राज्य ईसीवीसी का अनुपालन किया जाएगा। आउटडोर तथा साझा क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था में लाईट एमिटिंग डायोड (एलईडी) का प्रयोग होगा। डिमांड लोड के 1 प्रतिशत समतुल्य अथवा राज्य स्तरीय/स्थानीय भवन उपनियमों की अपेक्षा अनुसार बिजली उत्पादन की पूर्ति करने हेतु सौर, पवन अथवा नवीकरणीय ऊर्जा, जो भी अधिक हो, की संस्थापना की जाएगी। वाणिज्यिक तथा संस्थागत भवनों की गर्म जल की मांग को पूरा करने के लिए अथवा स्थानीय भवन उपनियमों की आवश्यकतानुसार, जो भी अधिक हो,

		<p>सोलर वाटर हीटिंग की व्यवस्था की जाएगी। आवासीय भवनों के लिए भी यथासंभव अपनी गर्म जल मांग की पूर्ति हेतु सोलर वाटर हीटरो की सिफारिश की जाती है।</p> <p>भवन डिजाइनों में पैसिव सोलर डिजाइन की संकल्पना शामिल की जाएगी जिसमें डिजाइन के तत्वों जैसे भवन अभिमुखीकरण, लैंडस्केपिंग, दक्ष भवन एनवेलप, समुचित खिड़कियों की व्यवस्था, दिन में अधिक प्रकाश करने की व्यवस्था में सुधार और थर्मल माल इत्यादि का प्रयोग करके भवनों में ऊर्जा खपत को न्यूनतम किया जाता है। दीवारों, खिड़कियां और छत के यू-वाल्व ईसीबीसी विशिष्टियों के अनुसार होंगे।</p>
4(क)		<p>मांग भार या राज्य स्तरीय/स्थानीय भवन उपविधियों की अपेक्षाओं, इनमें से जो भी उच्चतर हों, के एक प्रतिशत के समतुल्य विद्युत सृजन को पूरा करने के लिए सौर/पवन या अन्य नवीकरणीय ऊर्जा का प्रतिष्ठापन किया जाएगा।</p>
4(ख)		<p>व्यवसायिक और संस्थागत भवन की गर्म जल की मांग का 20 प्रतिशत सौर ऊर्जा जलीय ताप से व्यवस्थित होगा या स्थानीय भवन उपविधि की अपेक्षानुसार, जहां कहीं उच्चतम आवासीय भवन हैं जहां तक संभव हो उनकी गर्म जल की मांग सौर ऊर्जा जलीय ताप से देने की व्यवस्था की जाएगी।</p>
4(ग)		<p>ईटों, ब्लॉकों, अन्य संनिर्माण सामग्रियों में पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों का उपयोग संनिर्माण सामग्री मात्रा का कम से कम 20 प्रतिशत के लिए अपेक्षित होगा, इनके अंतर्गत फ्लाइऐश, खोखली ईटें, भाप-सह-पात्र वातित कंक्रीट (एएसी) फ्लाइऐश, चूना जिम्सम के ब्लॉक, संपीडित मिट्टी के ब्लॉक और अन्य पर्यावरण अनुकूल सामग्री भी है।</p> <p>फ्लाइऐश का उपयोग समय-समय पर यथा संशोधित फ्लाइऐश अधिसूचना का.आ. 763(अ) तारीख 14 सितंबर, 1999 के उपबंधों के अनुसार संनिर्माण में निर्माण सामग्री के रूप में किया जाना चाहिए।</p>
5.	वायु गुणवत्ता और ध्वनि	<p>संनिर्माण स्थलों की ओर जाने वाली या उस पर सड़के तैयार की जानी चाहिए और उन्हें ब्लैक टॉप (अर्थात् पक्की सड़के) किया जाना चाहिए। किसी मृदा उत्खनन कार्यरत पर्याप्त धूल शमन उपायों के बिना नहीं किया जाएगा।</p> <p>खुली मृदा या रेत या संनिर्माण या ध्वस्त अवशिष्ट या कोई अन्य संनिर्माण सामग्री, जिसके कारण धूल होती हो, खुला नहीं जोड़ा जाएगा।</p> <p>हवा रोधक की पर्याप्त ऊंचाई भवन की ऊंचाई का 1/3 और अधिकतम 10 मीटर तक उपबंधित होगा।</p> <p>जल छिड़काव प्रणाली उपयोग में लाई जाएगी।</p> <p>धूल शमन उपयोग संनिर्माण स्थल पर सहज लोक दर्शन के लिए प्रमुखतया से प्रदर्शित किया जाएगा।</p> <p>भवन सामग्री की पिसाई और कटाई खुले क्षेत्र में प्रतिषिद्ध होगी।</p> <p>संनिर्माण सामग्री और अवशिष्ट केवल चिन्हित क्षेत्र के भीतर भंडारित किया जाएगा और सड़क किनारे संनिर्माण सामग्री और अवशिष्ट का भंडारण प्रतिषिद्ध होगा।</p> <p>किसी वाहन को संनिर्माण सामग्री और अवशिष्ट आच्छादित के बिना ले जाने के लिए स्वीकृत नहीं दी जाएगी।</p> <p>संनिर्माण और ध्वस्त अवशिष्ट प्रक्रिया और निपटान स्थल चिन्हित तथा अपेक्षित धूल शमन उपयोग स्थल पर अधिसूचित किए जाएंगे।</p> <p>धूल, धुंआ और अन्य वायु प्रदूषण प्रतिषिद्ध उपाय भवन और साथ ही साथ स्थल के लिए व्यवस्थित किए जाएंगे।</p> <p>वेटजेट की पिसाई और पत्थरों कटाने के लिए उपयोग किया जाएगा।</p> <p>उबड़-खाबड़ सतह और खुली मृदा की धूल को दबाने के लिए पर्याप्त जल का छिड़काव किया जाएगा।</p> <p>सभी ध्वस्त और संनिर्माण अपशिष्ट, ध्वस्त और संनिर्माण अपशिष्ट नियम,</p>

		2016 के उपबंधों के अनुसार व्यवस्थित किए जाएंगे। निर्माण स्थलों पर कार्यरत तथा निर्माण सामग्री और निर्माण कचरे को लादने, उतारने और ढुलाई या धूल प्रदूषण करने वाले किसी क्षेत्र में कार्यरत सभी मजदूरों को डस्ट मास्क उपलब्ध कराए जाएं। भीतर वायु गुणवत्ता के संबंध में भारत के राष्ट्रीय भवन कोड के अनुसार वायु संचार प्रावधान किए जाएं।
5(क)		जेनसेट की अवस्थिति और समवातन पाइप की ऊंचाई पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित कानूनी मानकों के अनुसार होगी।
6.	हरित क्षेत्र	प्रति 80 वर्ग मीटर की भूमि के लिए कम से कम एक पेड़ लगाकर उसकी देखभाल की जानी चाहिए। इस उद्देश्य के लिए विद्यमान पेड़ों की गिनती की जाएगी। देशीय जाति के पौधों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।
6(क)		जहां पेड़ों की कटाई आवश्यक हों, 1:3 के अनुपात में प्रतिपूरक वृक्षारोपण अर्थात् प्रत्येक एक पेड़ की कटाई के लिए 3 पौधों को लगाना तथा उनका रख-रखाव करना होगा।
7.	ऊपरी मृदा परिरक्षण और पुनरुपयोग	भवनों, सड़कों, पक्के क्षेत्रों और बाहरी क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित क्षेत्रों से 20 सेंटीमीटर की गहराई तक ऊपरी मृदा को खोदा जाना चाहिए। इसका निर्धारित क्षेत्र में समुचित ढंग से भंडारण किया जाना चाहिए और स्थल पर प्रस्तावित वनस्पति के रोपण के दौरान इसका पुनरुपयोग किया जाना चाहिए।
8.	परिवहन	भवन निर्माण योजना व्यापक गतिशीलता योजना अनुमोदन के साथ संरेखित की जाएगी (आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के उत्तम, पद्धति मार्गदर्शी सिद्धांत के अनुसार (यूआरडीपीएफआई)।

[फा. सं. 3-49/2017-आई.ए. III-भाग]

जिगमेट टकपा, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) में संख्यांक का.आ.1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और पश्चात्पूर्वी संशोधन निम्नलिखित संख्याओं द्वारा किया गया :-

1. का.आ. 1949.(अ) तारीख 13 नवंबर, 2006 ;
2. का.आ. 1737.(अ) तारीख 11 अक्तूबर, 2007 ;
3. का.आ. 3067.(अ) तारीख 1 दिसंबर, 2009 ;
4. का.आ. 695 .(अ) तारीख 4 अप्रैल, 2011 ;
5. का.आ. 156 (अ) तारीख 25 जनवरी, 2012 ;
6. का.आ. 2896 (अ) तारीख 13 दिसंबर, 2012 ;
7. का.आ. 674(अ) तारीख 13 मार्च, 2013 ;
8. का.आ. 2204(अ) तारीख 19 जुलाई, 2013 ;
9. का.आ. 2555(अ) तारीख 21 अगस्त, 2013 ;
10. का.आ. 2559(अ) तारीख 22 अगस्त, 2013;
11. का.आ. 2731 (अ) तारीख 9 सितंबर, 2013 ;
12. का.आ. 562(अ) तारीख 26 फरवरी, 2014 ;
13. का.आ. 637(अ) तारीख 28 फरवरी, 2014 ;
14. का.आ. 1599(अ) तारीख 25 जून, 2014 ;
15. का.आ. 2601(अ) तारीख 7 अक्तूबर, 2014 ;

16. का.आ. 2600(अ) तारीख 9 अक्तूबर, 2014 ;
17. का.आ. 3252(अ) तारीख 22 दिसंबर, 2014 ;
18. का.आ. 382(अ) तारीख 3 फरवरी, 2015 ;
19. का.आ. 811(अ) तारीख 23 मार्च, 2015 ;
20. का.आ. 996(अ) तारीख 10 अप्रैल, 2015 ;
21. का.आ. 1142(अ) तारीख 17 अप्रैल, 2015 ;
22. का.आ. 1141(अ) तारीख 29 अप्रैल, 2015 ;
23. का.आ. 1834(अ) तारीख 6 जुलाई, 2015 ;
24. का.आ. 2571(अ) तारीख 31 अगस्त, 2015 ;
25. का.आ. 2572(अ) तारीख 14 सितंबर, 2015 ;
26. का.आ. 141(अ) तारीख 15 जनवरी, 2015 ;
27. का.आ. 648(अ) तारीख 3 मार्च, 2016 ;
28. का.आ. 2269(अ) तारीख 1 जुलाई, 2016 ;
29. का.आ. 2944(अ) तारीख 14 सितंबर, 2016 ;
30. का.आ. 3518(अ) तारीख 23 नवंबर, 2016 ;
31. का.आ. 3999(अ) तारीख 23 नवंबर, 2016 ;
32. का.आ. 4241 (अ) तारीख 30 दिसंबर, 2016 ;
33. का.आ. 3611(अ) तारीख 25 जुलाई, 2018 ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th November, 2018

S.O. 5733(E).—In exercise of the powers conferred by section 23 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), the Central Government hereby delegates the power to local bodies such as Municipalities, Development Authorities, District Panchayats as the case may be, to ensure the compliance of the environmental conditions as specified in the Appendix in respect of building or construction projects with built-up area $\geq 20,000$ sq. mtrs. To 50,000 sq. mtrs. and industrial sheds, educational institutions, hospitals and hostels for educational institutions $\geq 20,000$ sqm upto 1,50,000 sqm along with building permission and to ensure that the conditions specified in Appendix are complied with, before granting the occupation certificate/completion certificate.

APPENDIX

Environmental Conditions for Buildings and Constructions

(Category: Building or Construction projects or Area Development projects and Townships $\geq 20,000$ to $< 50,000$ Square meters as well as for industrial sheds, educational institutions, hospitals and hostels for educational institutions from 20,000 sq.m to $< 1,50,000$ sq.m)

S.N.	MEDIUM	ENVIRONMENTAL CONDITIONS
(1)	(2)	(3)
1	Topography and Natural Drainage	The natural drain system shall be maintained for ensuring unrestricted flow of water. No construction shall be allowed to obstruct the natural drainage through the site. No construction is allowed on wetland and water bodies. Check dams, bio-swales, landscape, and other sustainable urban drainage systems (SUDS) are allowed for maintaining the drainage pattern and to harvest rain water. Buildings shall be designed to follow the natural topography as much as possible. Minimum cutting and filling should be done.
2	Water Conservation,	A complete plan for rain water harvesting, water efficiency and conservation should be prepared and implemented.

	Rain Water Harvesting and Ground Water Recharge	<p>Use of water efficient appliances should be promoted with low flow fixtures or sensors.</p> <p>The local bye-law provisions on rain water harvesting should be followed. If local bye-law provision is not available, adequate provision for storage and recharge should be followed as per the Ministry of Urban Development Model Building Bye-laws, 2016.</p> <p>A rain water harvesting plan needs to be designed where the recharge bores of minimum one recharge bore per 5,000 square meters of built up area and storage capacity of minimum one day of total fresh water requirement shall be provided. In areas where ground water recharge is not feasible, the rain water should be harvested and stored for reuse. The ground water shall not be withdrawn without approval from the Competent Authority.</p> <p>All recharge should be limited to shallow aquifer.</p>
2(a)		At least 20 per cent of the open spaces as required by the local building bye-laws shall be pervious. Use of Grass pavers, paver blocks, landscape etc. with at least 50 per cent opening in paving which would be considered as pervious surface.
3	Waste Management	<p>Solid waste: Separate wet and dry bins must be provided in each unit and at the ground level for facilitating segregation of waste.</p> <p>Sewage: Onsite sewage treatment of capacity of treating 100 per cent waste water to be installed. Treated waste water shall be reused on site for landscape, flushing, cooling tower, and other end-uses. Excess treated water shall be discharged as per statutory norms notified by Ministry of Environment, Forest and Climate Change. Natural treatment systems shall be promoted.</p> <p>Sludge from the onsite sewage treatment, including septic tanks, shall be collected, conveyed and disposed as per the Ministry of Urban Development, Central Public Health and Environmental Engineering Organisation (CPHEEO) Manual on Sewerage and Sewage Treatment Systems, 2013.</p> <p>The provisions of the Solid Waste (Management) Rules 2016 and the e-waste (Management) Rules 2016, and the Plastics Waste (Management) Rules 2016 shall be followed.</p>
3 (a)		All non-biodegradable waste shall be handed over to authorized recyclers for which a written tie up must be done with the authorized recyclers.
3(b)		Organic waste compost/ Vermiculture pit with a minimum capacity of 0.3 kg per person per day must be installed.
4	Energy	<p>Compliance with the Energy Conservation Building Code (ECBC) of Bureau of Energy Efficiency shall be ensured. Buildings in the States which have notified their own ECBC, shall comply with the State ECBC.</p> <p>Outdoor and common area lighting shall be Light Emitting Diode (LED).</p> <p>Concept of passive solar design that minimize energy consumption in buildings by using design elements, such as building orientation, landscaping, efficient building envelope, appropriate fenestration, increased day lighting design and thermal mass etc. shall be incorporated in the building design.</p> <p>Wall, window, and roof u-values shall be as per ECBC specifications.</p>
4 (a)		Solar, wind or other Renewable Energy shall be installed to meet electricity generation equivalent to 1 per cent of the demand load or as per the state level/ local building bye-laws requirement, whichever is higher.
4 (b)		Solar water heating shall be provided to meet 20 per cent of the hot water demand of the commercial and institutional building or as per the requirement of the local building bye-laws, whichever is higher. Residential buildings are also recommended to meet its hot water demand from solar water heaters, as far as possible.
4 (c)		Use of environment friendly materials in bricks, blocks and other construction materials, shall be required for at least 20 per cent of the construction material quantity. These include flyash bricks, hollow bricks, Autoclaved Aerated Concrete (AAC), Fly Ash Lime Gypsum blocks, Compressed earth blocks, and

		<p>other environment friendly materials.</p> <p>Fly ash should be used as building material in the construction as per the provisions of the Fly Ash Notification, S.O. 763(E) dated 14th September, 1999 as amended from time to time.</p>
5	Air Quality and Noise	<p>Roads leading to or at construction sites must be paved and blacktopped (i.e. metallic roads).</p> <p>No excavation of soil shall be carried out without adequate dust mitigation measures in place.</p> <p>No loose soil or sand or Construction & Demolition Waste or any other construction material that causes dust shall be left uncovered.</p> <p>Wind-breaker of appropriate height i.e. 1/3rd of the building height and maximum up to 10 meters shall be provided.</p> <p>Water sprinkling system shall be put in place.</p> <p>Dust mitigation measures shall be displayed prominently at the construction site for easy public viewing.</p> <p>Grinding and cutting of building materials in open area shall be prohibited.</p> <p>Construction material and waste should be stored only within earmarked area and road side storage of construction material and waste shall be prohibited.</p> <p>No uncovered vehicles carrying construction material and waste shall be permitted.</p> <p>Construction and Demolition Waste processing and disposal site shall be identified and required dust mitigation measures be notified at the site</p> <p>Dust, smoke and other air pollution prevention measures shall be provided for the building as well as the site.</p> <p>Wet jet shall be provided for grinding and stone cutting.</p> <p>Unpaved surfaces and loose soil shall be adequately sprinkled with water to suppress dust.</p> <p>All demolition and construction waste shall be managed as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Rules 2016.</p> <p>All workers working at the construction site and involved in loading, unloading, carriage of construction material and construction debris or working in any area with dust pollution shall be provided with dust mask.</p> <p>For indoor air quality the ventilation provisions as per National Building Code of India.</p>
5 (a)		<p>The location of the Genset and exhaust pipe height shall be as per the provisions of the statutory norms notified by Ministry of Environment, Forest and Climate Change</p> <p>The Genset installed for the project shall follow the emission limits, noise limits and general conditions notified by Ministry of Environment, Forest and Climate Change vide GSR 281(E) dated 7th March 2016 as amended from time to time.</p>
6	Green Cover	<p>A minimum of 1 tree for every 80 sq.mt. of land should be planted and maintained. The existing trees will be counted for this purpose. Preference should be given to planting native species.</p>
6 (a)		<p>Where the trees need to be cut, compensatory plantation in the ratio of 1:3 (i.e. planting of 3 trees for every 1 tree that is cut) shall be done and maintained.</p>
7	Top Soil preservation and reuse	<p>Topsoil should be stripped to a depth of 20 cm from the areas proposed for buildings, roads, paved areas, and external services.</p> <p>It should be stockpiled appropriately in designated areas and reapplied during plantation of the proposed vegetation on site.</p>
8	Transport	<p>The building plan shall be aligned with the approved comprehensive mobility plan (as per Ministry of Housing and Urban Affairs best practices guidelines (URDPFI)).</p>

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) *vide* number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and subsequently amended *vide* the following numbers: -

1. S.O. 1949 (E) dated the 13th November, 2006
2. S.O. 1737 (E) dated the 11th October, 2007;
3. S.O. 3067 (E) dated the 1st December, 2009;
4. S.O. 695 (E) dated the 4th April, 2011;
5. S.O. 156 (E) dated the 25th January, 2012;
6. S.O. 2896 (E) dated the 13th December, 2012;
7. S.O. 674 (E) dated the 13th March, 2013;
8. S.O. 2204 (E) dated the 19th July 2013;
9. S.O. 2555 (E) dated the 21st August, 2013;
10. S.O. 2559 (E) dated the 22nd August, 2013;
11. S.O. 2731 (E) dated the 9th September, 2013;
12. S.O. 562 (E) dated the 26th February, 2014;
13. S.O. 637 (E) dated the 28th February, 2014;
14. S.O. 1599 (E) dated the 25th June, 2014;
15. S.O. 2601 (E) dated the 7th October, 2014;
16. S.O. 2600 (E) dated the 9th October, 2014
17. S.O. 3252 (E) dated the 22nd December, 2014;
18. S.O. 382 (E) dated the 3rd. February, 2015;
19. S.O. 811 (E) dated the 23rd. March, 2015;
20. S.O. 996 (E) dated the 10th April, 2015;
21. S.O. 1142 (E) dated the 17th April, 2015;
22. S.O. 1141 (E) dated the 29th April, 2015;
23. S.O. 1834 (E) dated the 6th July, 2015;
24. S.O. 2571 (E) dated the 31st August, 2015;
25. S.O. 2572 (E) dated the 14th September, 2015;
26. S.O. 141 (E) dated the 15th January, 2016;
27. S.O. 648 (E) dated the 3rd March, 2016;
28. S.O. 2269(E) dated the 1st July, 2016;
29. S.O. 2944(E) dated the 14th September, 2016;
30. S.O. 3518 (E) dated 23rd November 2016;
31. S.O. 3999 (E) dated the 9th December, 2016;
32. S.O. 4241(E) dated the 30th December, 2016; and
33. S.O. 3611(E) dated the 25th July, 2018.